उस लड़के ने हवा से बिजली बनाई

एक सच्चे हीरो की कहानी
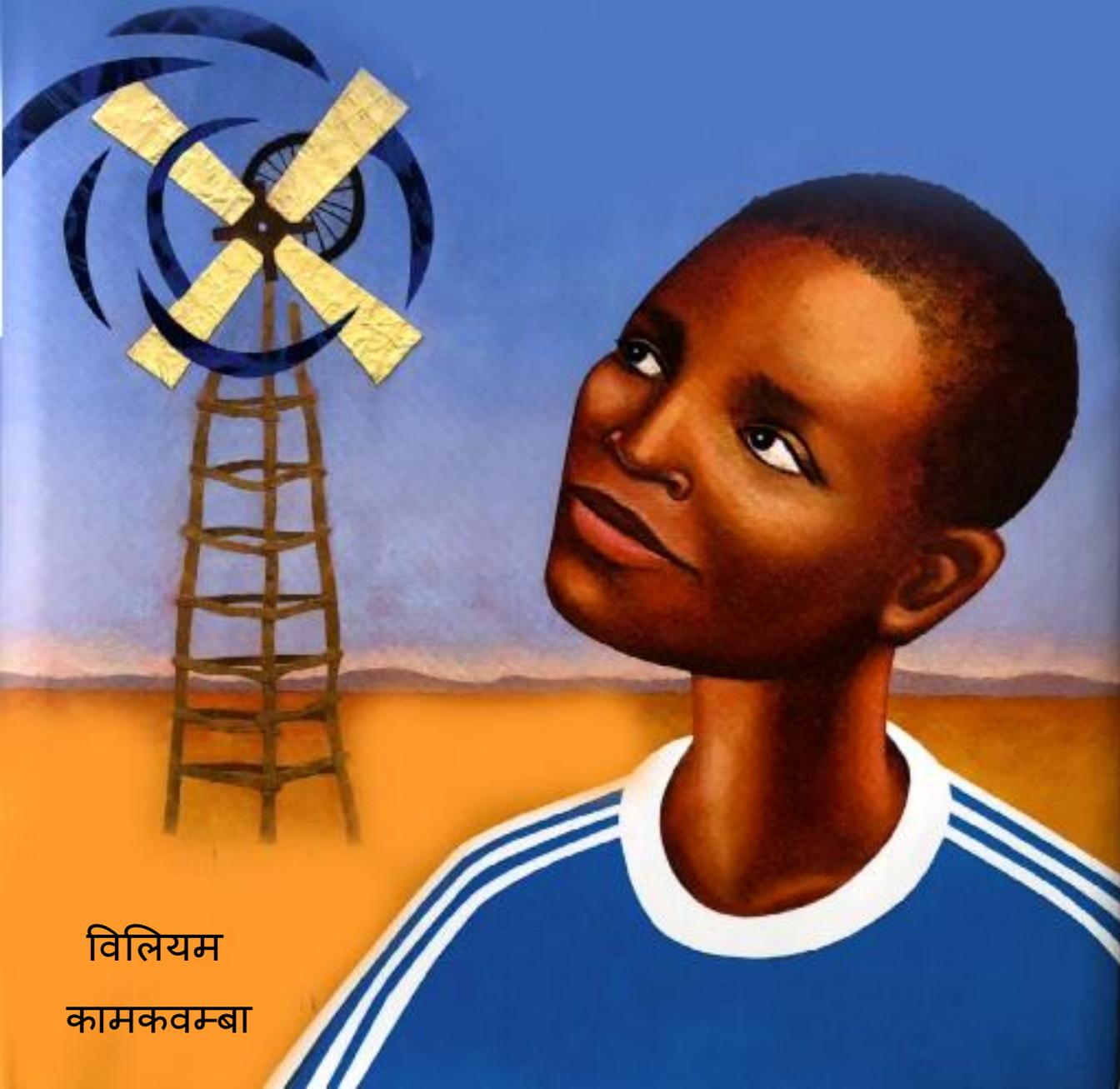
विलियम

कामकवम्बा

मलावी के एक छोटे से गाँव में, लोगों के पास बिजली के लिए पैसे नहीं थे. इसलिए रात होते ही गरीब किसान बिस्तर पर जल्दी ही सो जाते थे. लेकिन विलियम कुछ अलग था. सपने देखने के लिए उसके लिए अंधेरा ही सबसे अच्छा था.

विलियम को जुगाड़ करके चीज़े बनाने में बहुत मज़ा आता था. उसने बोतल के ढक्कनों के पहियों से एक ट्रक बनाया जो उसके बिस्तर के पास पड़ा था. जब विलियम रेडियो पर संगीत सुनता तो वो उसे खोलकर यह देखने की कोशिश करता था कि उसमें वाद्ययंत्र बजाने वाला बैंड कहाँ छिपा था!!

"अगर मुझे संगीत सुनाई दे रहा है, तो फिर बैंड कहां है?"

दादाजी की जादू की कहानियां भी उस अँधेरे कमरे में उसके कानों में फुसफुसाती रहती थीं. चुड़ैलों के रूप में विमान उसकी खिड़की के सामने से गुज़रते थे जबकि भूत कमरे में चारों ओर नाचते थे.
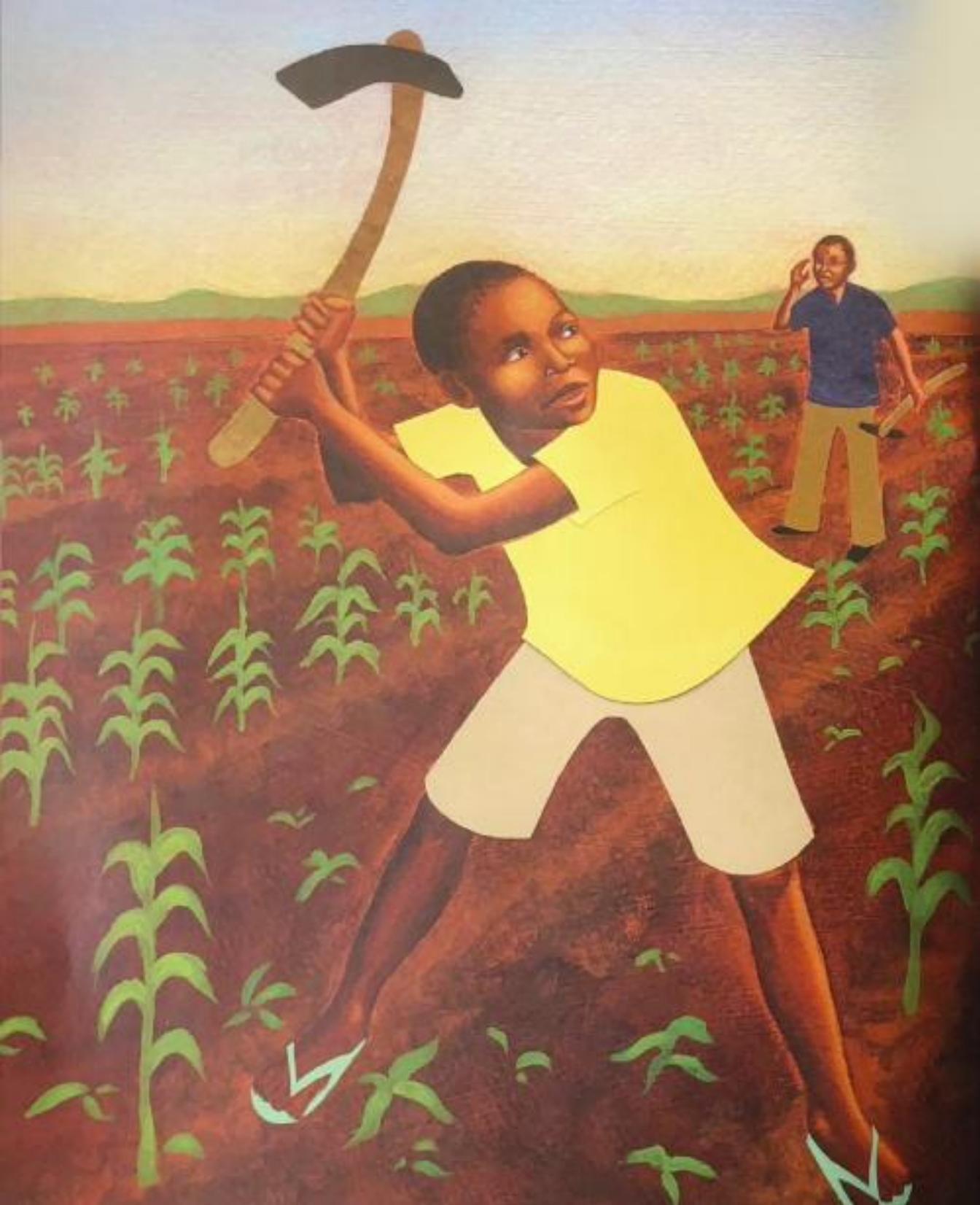
सुबह उठते ही विलियम खेतों में उन जादुई प्राणियों को मक्का के पौधों के बीच खोजता था और फिर सड़क पर दौड़ते ट्रकों को देखकर अचरज करता था कि उनका इंजन कैसे काम करता है?

"ज़रा कुदाल को ज़रा ध्यान से फेंको!" उसके पिता चिल्लाते. "नहीं तो तुम्हारा पैर कट जाएगा."

पर नर्तकियों और उड़ने वाली चीजों में शक्ति होने के बाद भी उनका जादू बारिश नहीं ला सकता था.

पानी के बिना, सूरज हर सुबह गुस्से में उठता था और मक्का के पौधों को धूल में बदल देता था. भोजन के बिना, मलावी के लोग भूख से मर रहे थे.
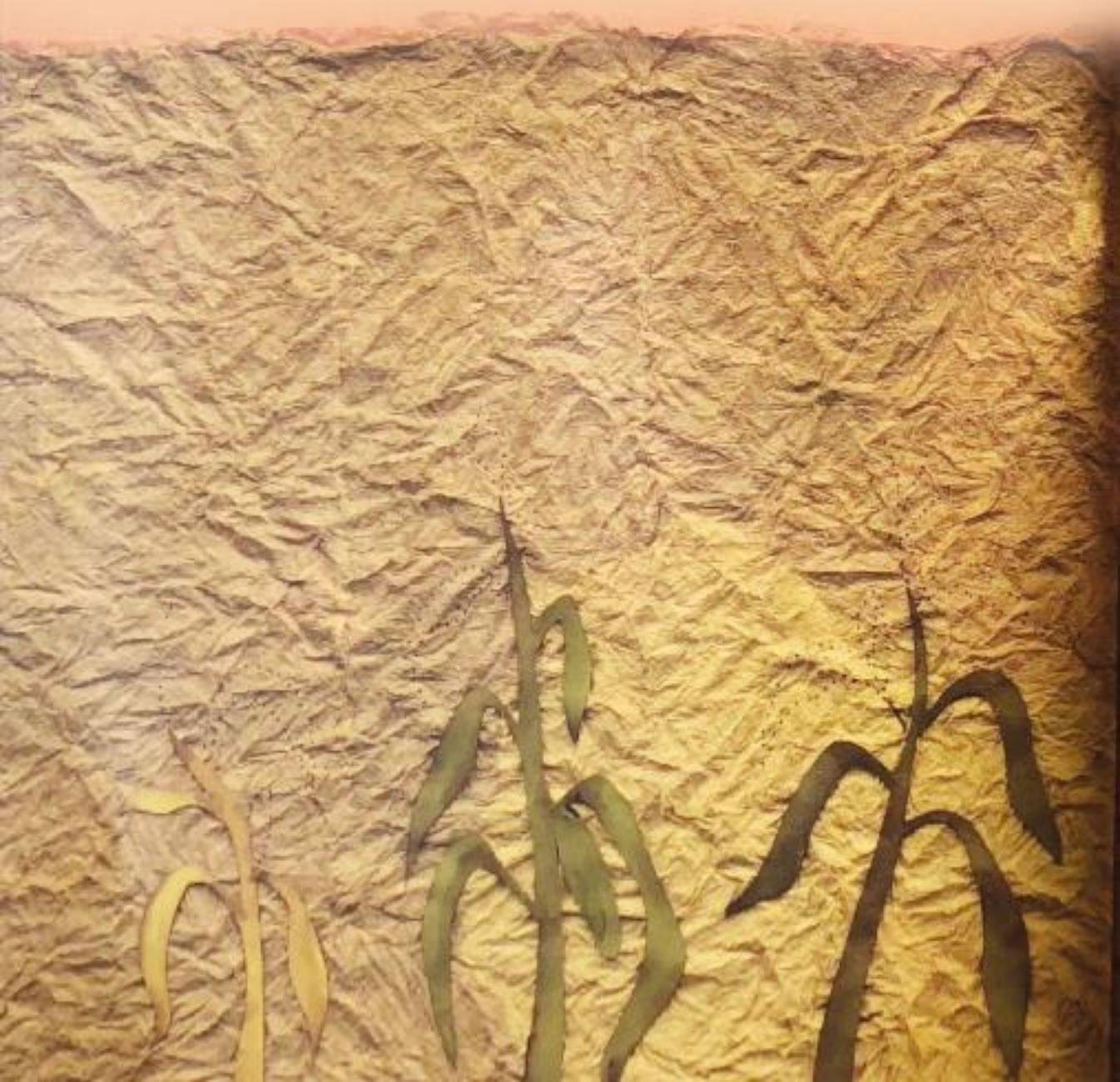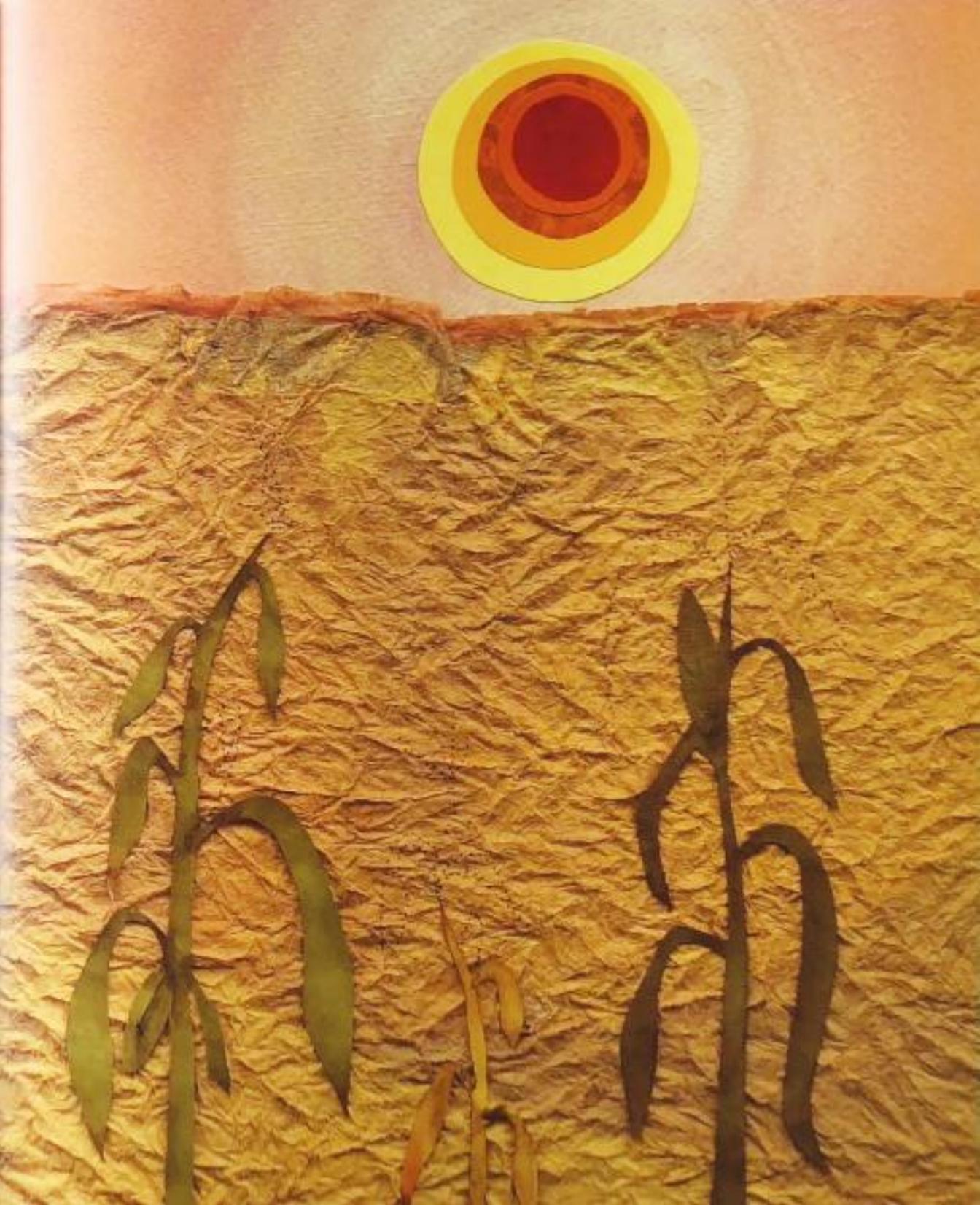
जल्द ही विलियम के पिता ने अपने बच्चों को इकट्ठा किया और कहा, "अब से, हम दिन में केवल एक बार ही भोजन खा पाएंगे. इसलिए कम खाओ."

शाम को, सबने लालटेन के चारों ओर बैठकर सिर्फ मुट्ठी भर खाना ही खाया. उन्होंने भूखे लोगों को सड़कों पर भूत-प्रेतों की तरह गुजरते हुए देखा.
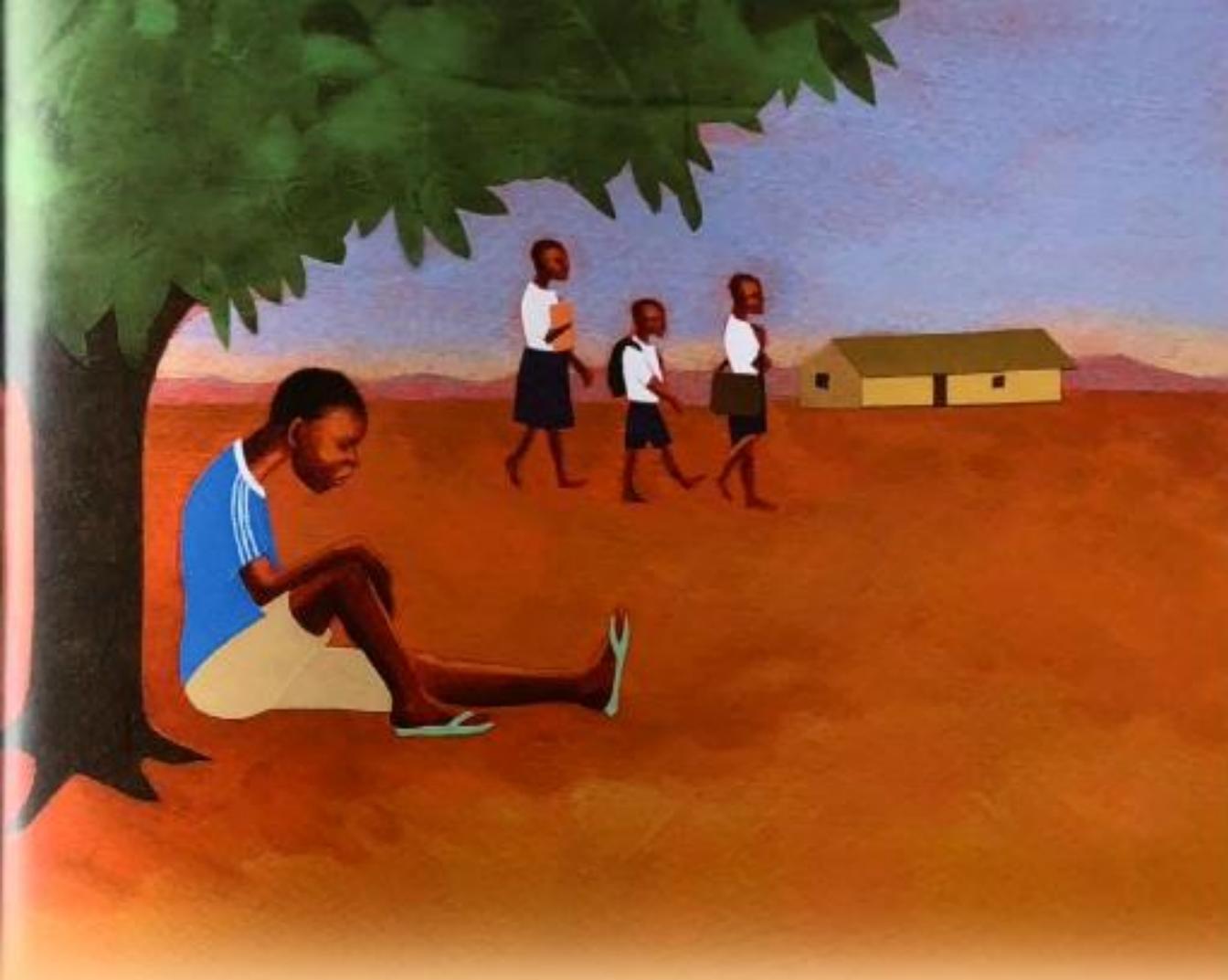
बारिश के अभाव में लोगों का पैसा भी गायब हो गया.

"विलियम," उसके पिता ने कहा. "मुझे खेद है, पर अब तुम्हें स्कूल छोड़ना होगा."

अब विलियम सड़क पर खड़ा था. वो भाग्यशाली छात्रों को स्कूल जाते हुए देख रहा था. उसके पेट में चूहे कूद रहे था और उसके गले में एक गांठ अटकी थी. हफ्तों तक अपने दुःख को भुलाने के लिए वो आम के पेड़ के नीचे ही बैठा रहा. फिर उसे सड़क के दूसरे छोर पर उस पुस्तकालय की याद आई, जिसे अमरीकियों ने उसके देश को उपहार के रूप में दिया था.

वहां विलियम को विज्ञान की शानदार पुस्तकें मिलीं जिनमें सुन्दर चित्र थे. एक अंग्रेजी शब्दकोश की मदद से विलियम ने शब्दों को समझा कि इंजन इतने बड़े-बड़े ट्रकों को यहाँ से वहां कैसे ले जाते हैं. कैसे रेडियो, संगीत को आकाश से खींचता है. लेकिन विलियम को जिस चीज़ ने सबसे अधिक आकर्षित किया वो थी एक विशाल पंखों वाली मशीन जो सबसे ऊंचे पेड़ से भी ऊंची थी.
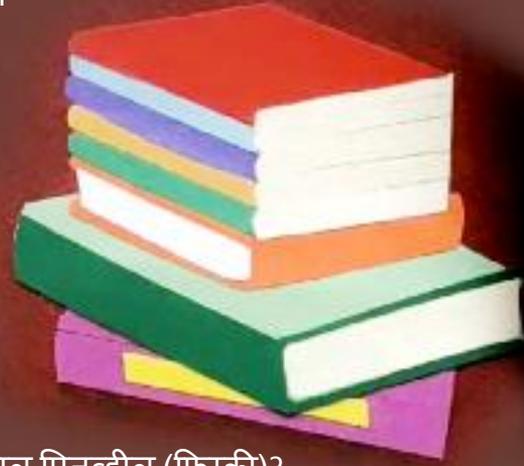
एक विशाल पिनव्हील (फिरकी)?

जादू को पकड़ने वाली कोई चीज़?

धीरे-धीरे, उसने अपना वाक्य पूरा किया :

"पवन-चक्की बिजली पैदा कर सकती है और पानी भी पंप कर सकती है."
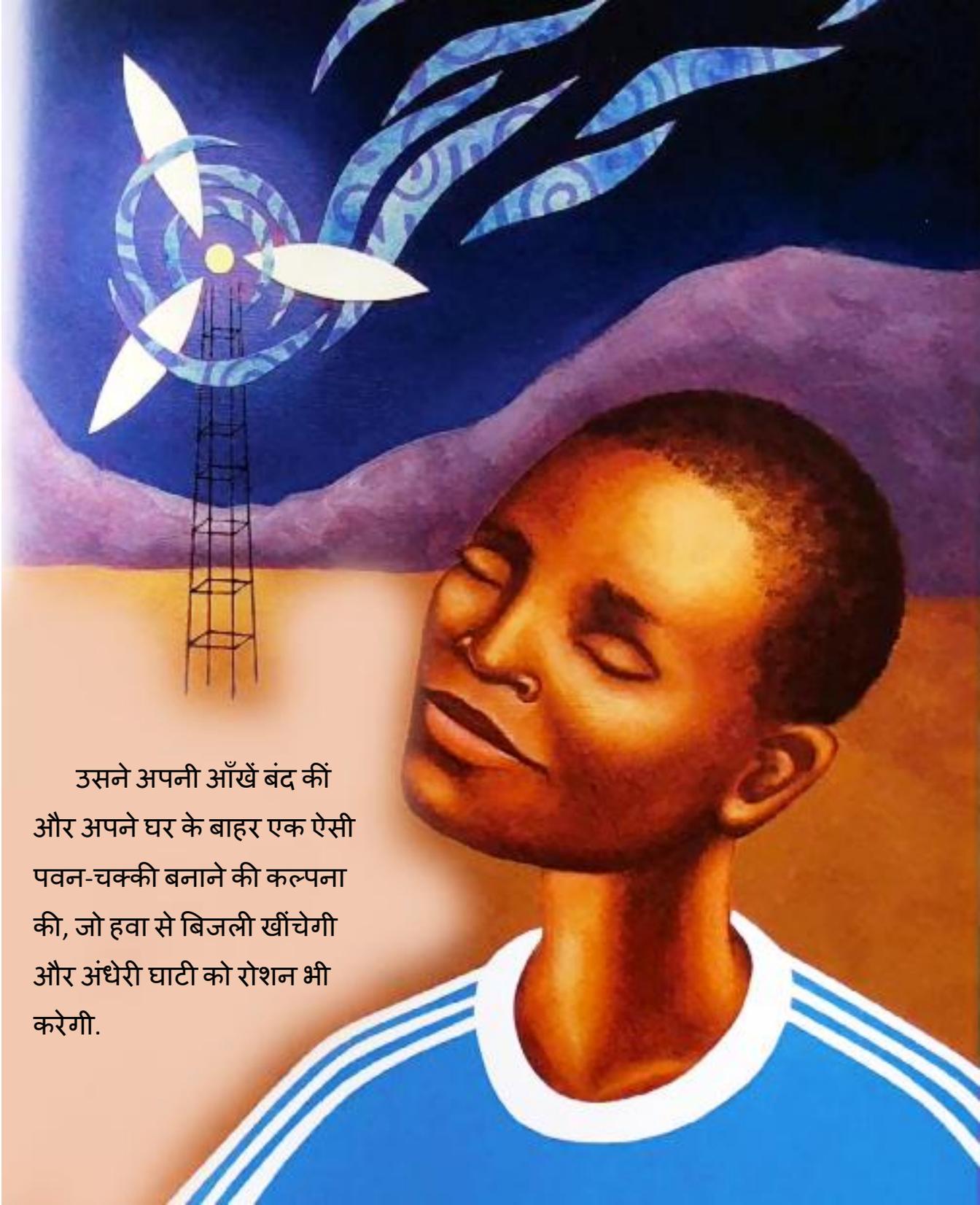
उसने अपनी आँखें बंद कीं और अपने घर के बाहर एक ऐसी पवन-चक्की बनाने की कल्पना की, जो हवा से बिजली खींचेगी और अंधेरी घाटी को रोशन भी करेगी.
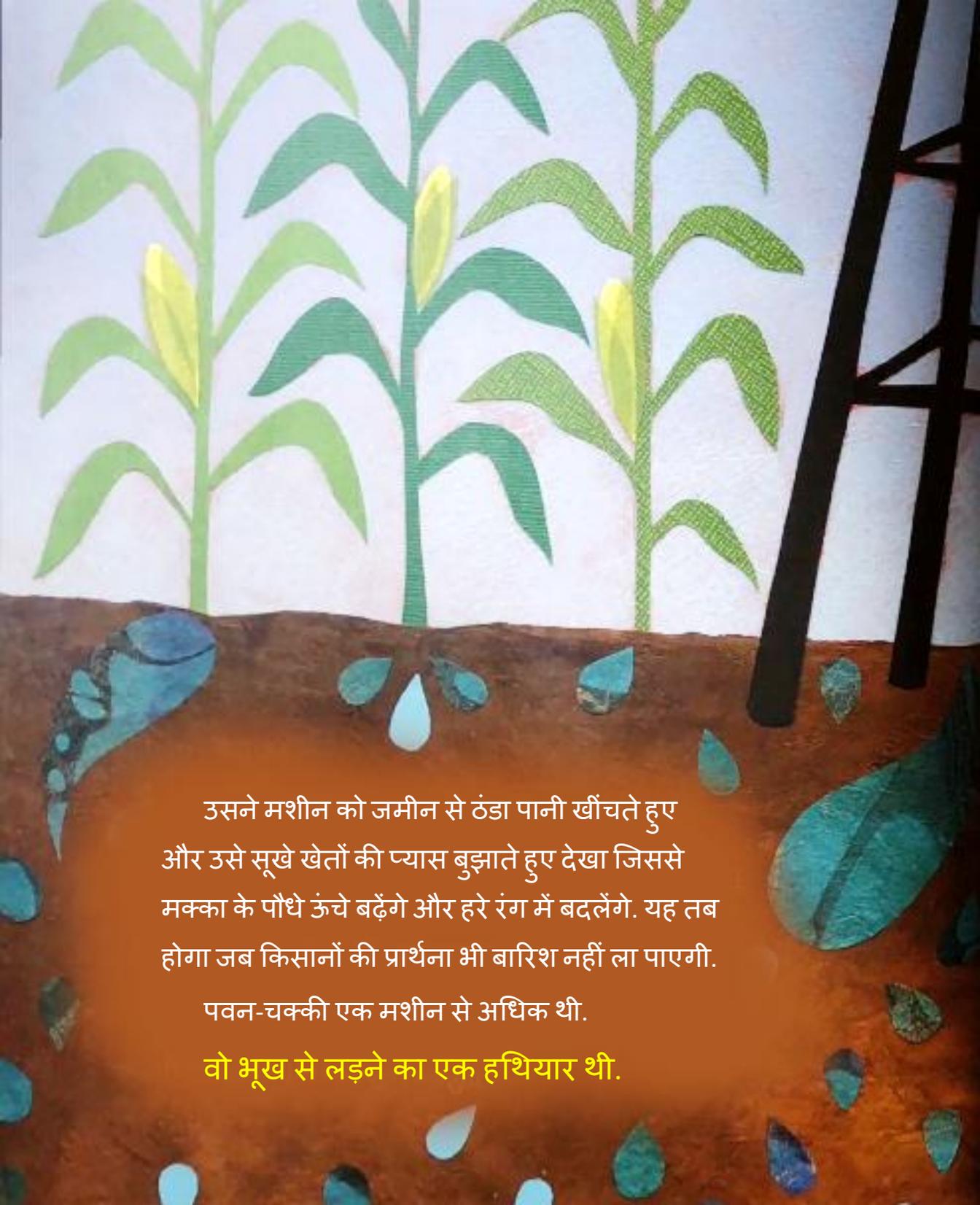
उसने मशीन को जमीन से ठंडा पानी खींचते हुए और उसे सूखे खेतों की प्यास बुझाते हुए देखा जिससे मक्का के पौधे ऊंचे बढ़ेंगे और हरे रंग में बदलेंगे. यह तब होगा जब किसानों की प्रार्थना भी बारिश नहीं ला पाएगी.

पवन-चक्की एक मशीन से अधिक थी.

वो भूख से लड़ने का एक हथियार थी.

"मैं हवा से बिजली की उत्पादन करूंगा,"

वो फुसफुसाया.

कबाड़ के मैदान में तमाम लोहे के पुर्ज़े लंबी घास में जंग लगे खजाने की तरह बिखरे पड़े थे - एक ट्रैक्टर का पंखा, कुछ पाइप, बेयरिंग और जंग लगे बोल्ट जिन्हें खोलने के लिए मज़बूत मांसपेशियों की ज़रुरत पड़ती.

"टोंगा!" अपने पुरस्कार को पकड़े हुए विलियम पक्षियों और मकड़ियों पर चिल्लाया.

पर जैसे ही विलियम उस लोहे के कबाड़ को घर में खींचकर लाया, वैसे ही लोगों ने कहना शुरू किया, "यह लड़का पागल है. क्योंकि सिर्फ पागल लोग ही कचरे के साथ खेलते हैं!"
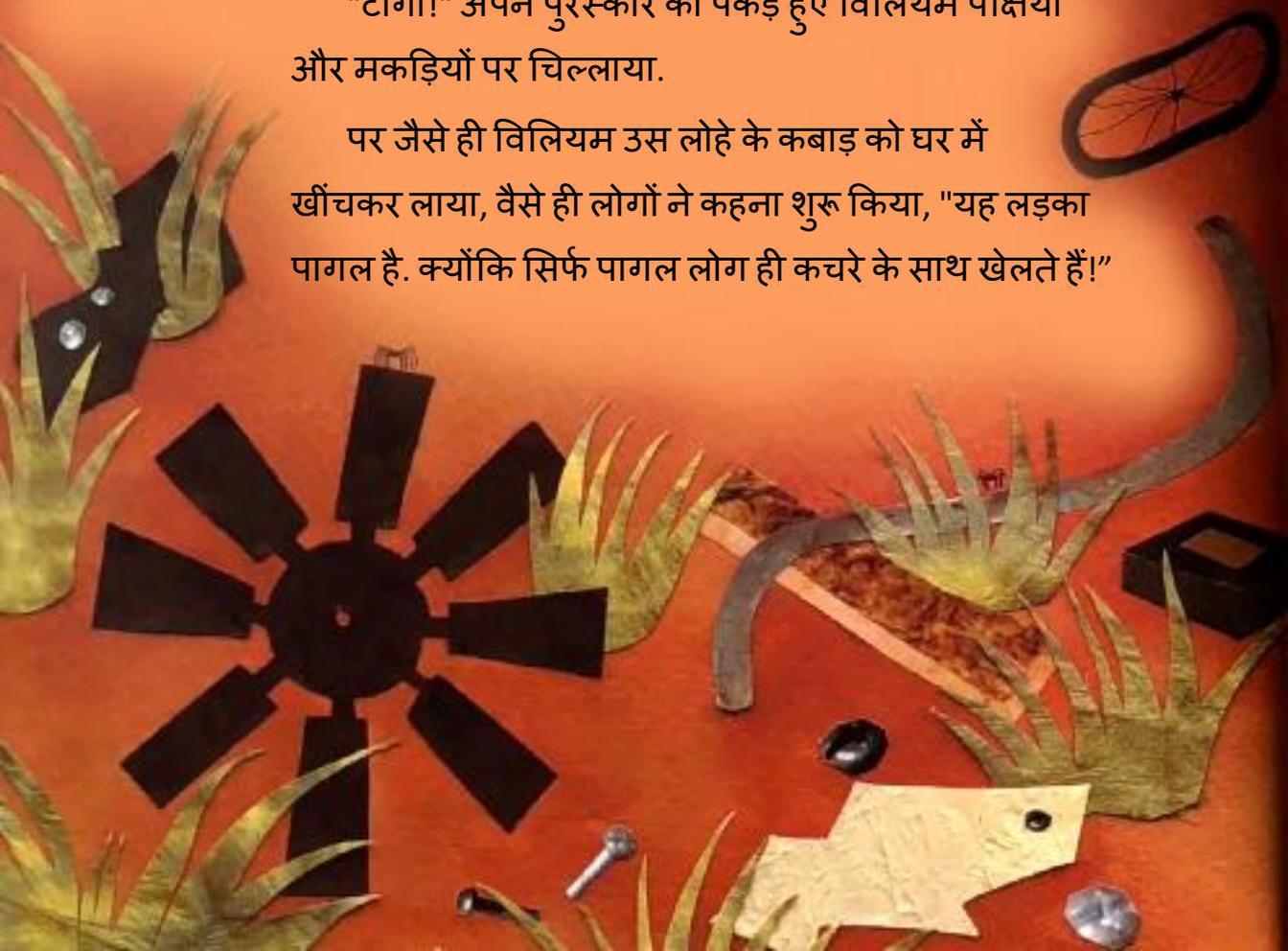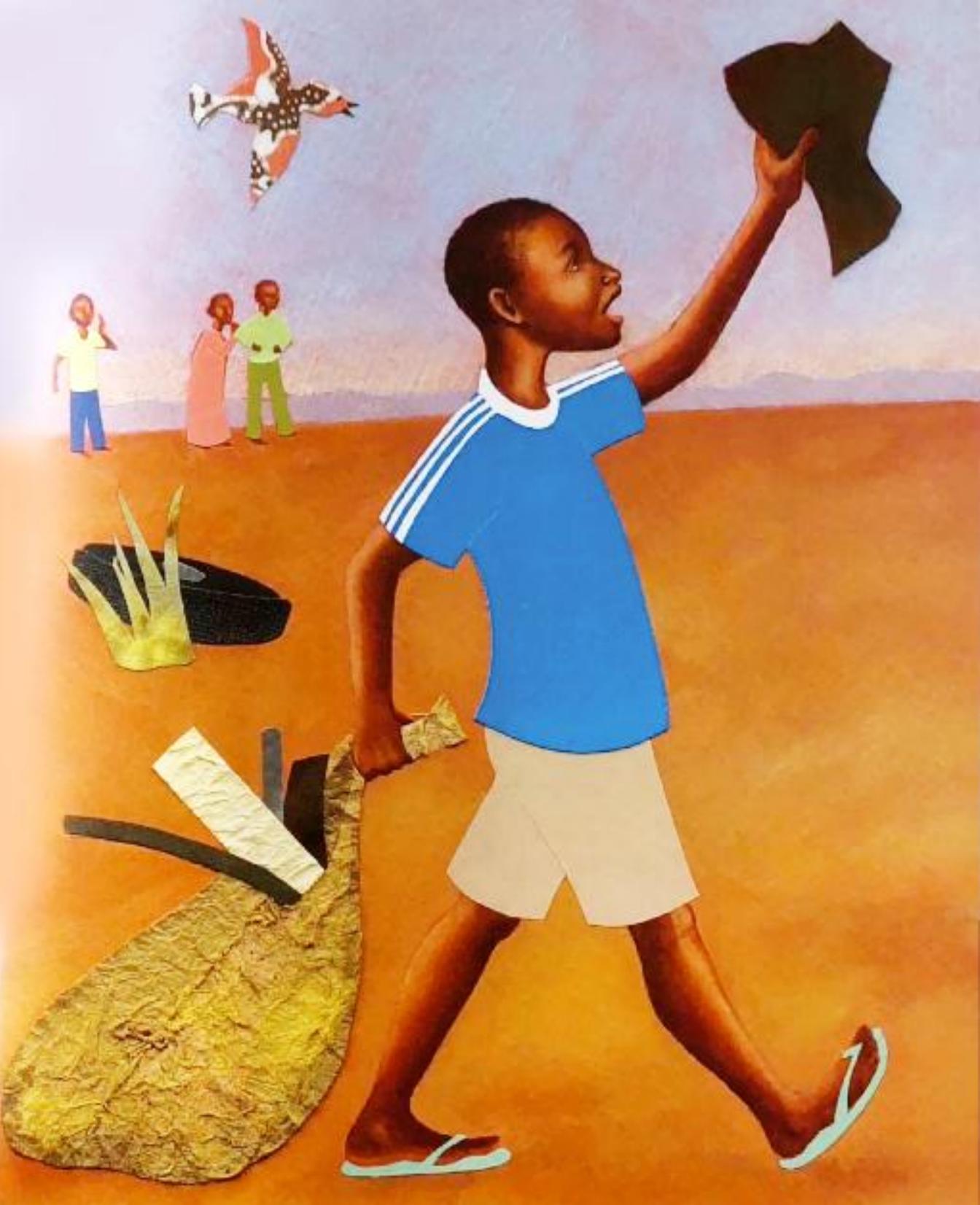
कुछ हफ्तों के बाद, विलियम ने अपनी मशीन के टुकड़ों को ज़मीन पर व्यवस्थित किया: एक टूटी हुई साइकिल, जंग लगी बोतलों के ढक्कन, प्लास्टिक के पाइप, और एक छोटा सा जनरेटर (डायनेमो) जो साइकिल की हेडलाइट को जलाता था.

तीन दिनों तक, विलियम ने ठोका-पीटी की, नट-बोल्ट कसे, जबकि आसपास मुर्गियों ने बांग दी, कुत्ते भौंके और पड़ोसियों ने अपना सिर हिलाकर कहा, "वो पागल न जाने क्या कर रहा है?"

उसका चचेरे भाई ज्योफ्री और उसका सबसे अच्छा दोस्त गिल्बर्ट उसके पास आए.

"हेलो," उन्होंने अभिवादन किया. "क्या हम हवा से बिजली बनाने में तुम्हारी कुछ मदद कर सकते हैं?"

"अपनी कुल्हाड़ियां उठाओ और मेरे पीछे-पीछे आओ," विलियम ने कहा.

फिर वे जंगल में गए. उन्होंने अपनी तेज़ कुल्हाड़ियों से नीलगिरी (यूकलिप्टस) के पेड़ों के तनों को काटा. फिर हथौड़े से कीलें ठोक-ठोककर उन्होंने लकड़ी की एक टॉवर बनाई.
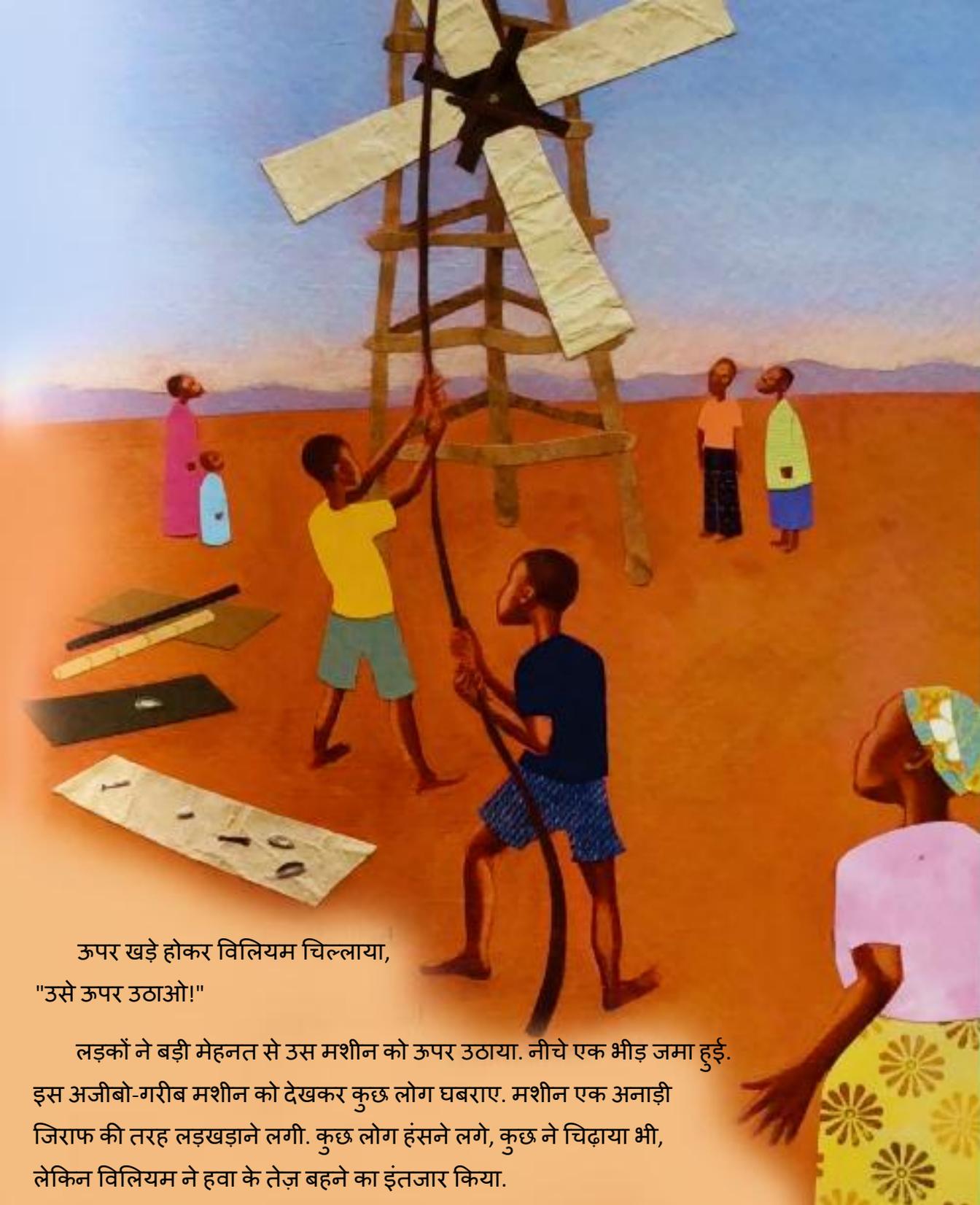
ऊपर खड़े होकर विलियम चिल्लाया,
"उसे ऊपर उठाओ!"

लड़कों ने बड़ी मेहनत से उस मशीन को ऊपर उठाया. नीचे एक भीड़ जमा हुई. इस अजीबो-गरीब मशीन को देखकर कुछ लोग घबराए. मशीन एक अनाड़ी जिराफ की तरह लड़खड़ाने लगी. कुछ लोग हंसने लगे, कुछ ने चिढ़ाया भी, लेकिन विलियम ने हवा के तेज़ बहने का इंतजार किया.
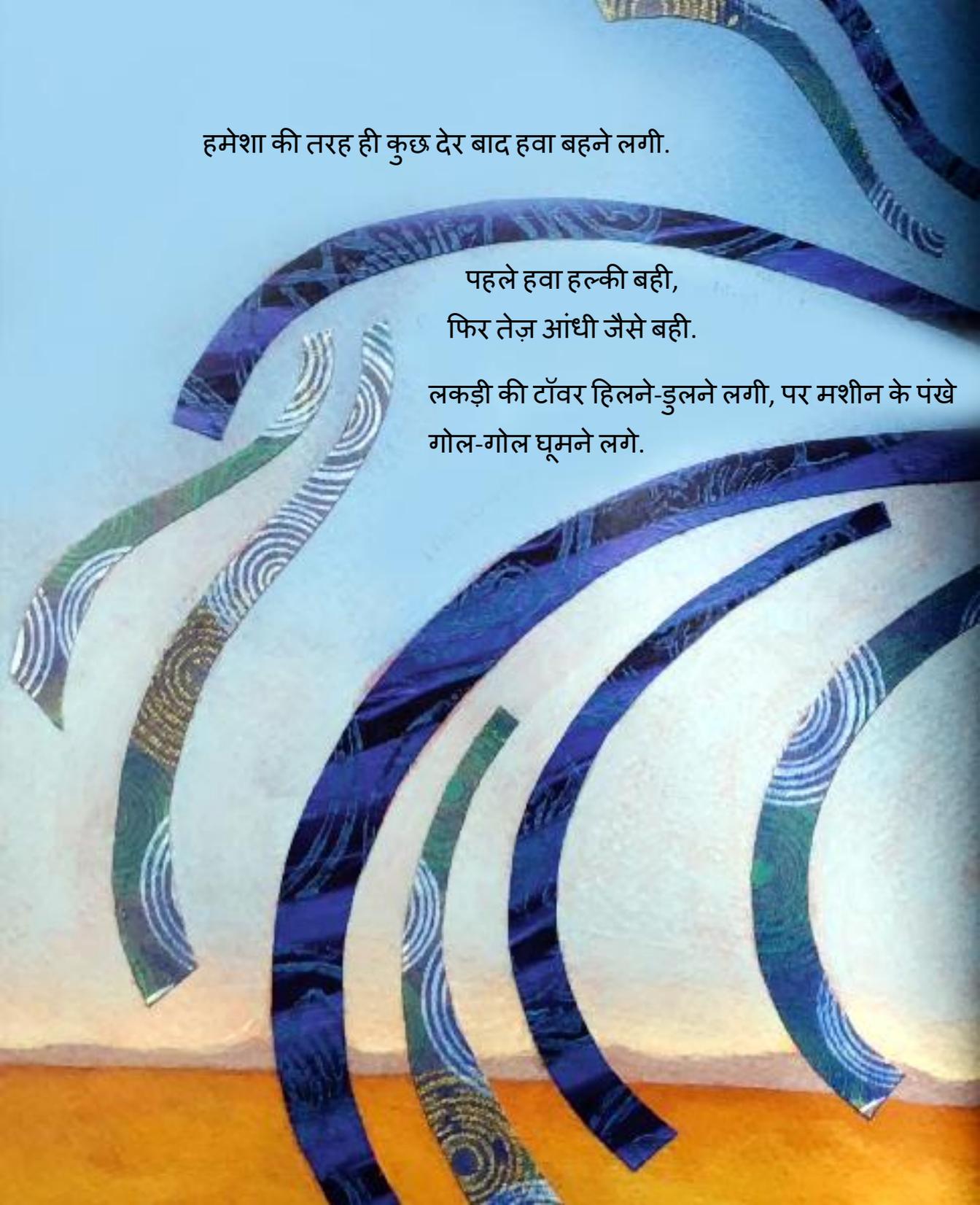
हमेशा की तरह ही कुछ देर बाद हवा बहने लगी.

पहले हवा हल्की बही,
फिर तेज़ आंधी जैसे बही.

लकड़ी की टॉवर हिलने-डुलने लगी, पर मशीन के पंखे गोल-गोल घूमने लगे.

दुखती हुई उँगलियों और भूख से पीड़ित विलियम ने, अपने अँधेरे कमरे में एक छोटे बल्ब को तारों से जोड़ा. बल्ब शुरू में सिर्फ टिमटिमाया, पर फिर सूरज की तरह तेज़ी से चमकने लगा.

"कमाल!!" वो चिल्लाया. "मैंने हवा से बिजली की बनाई है!"
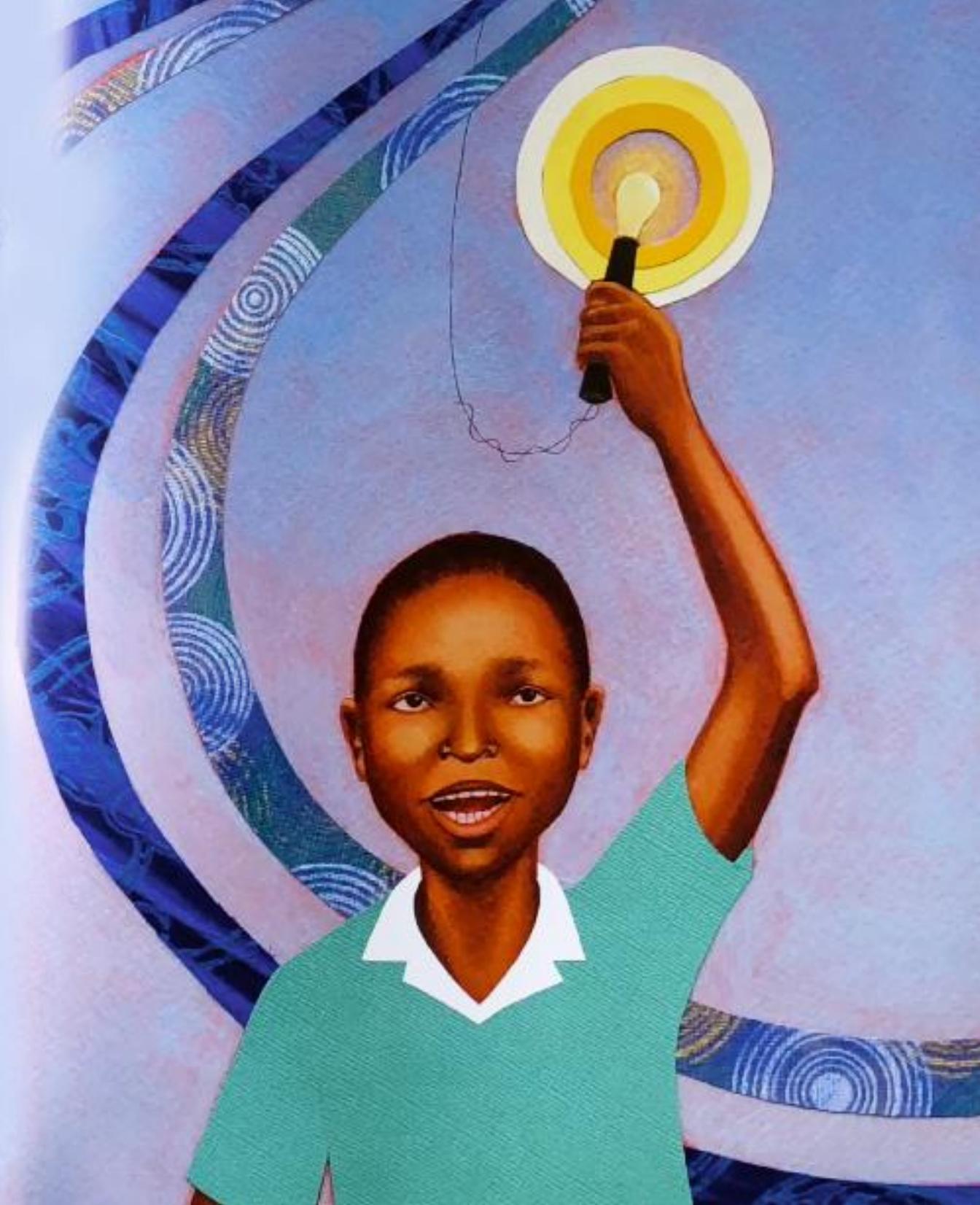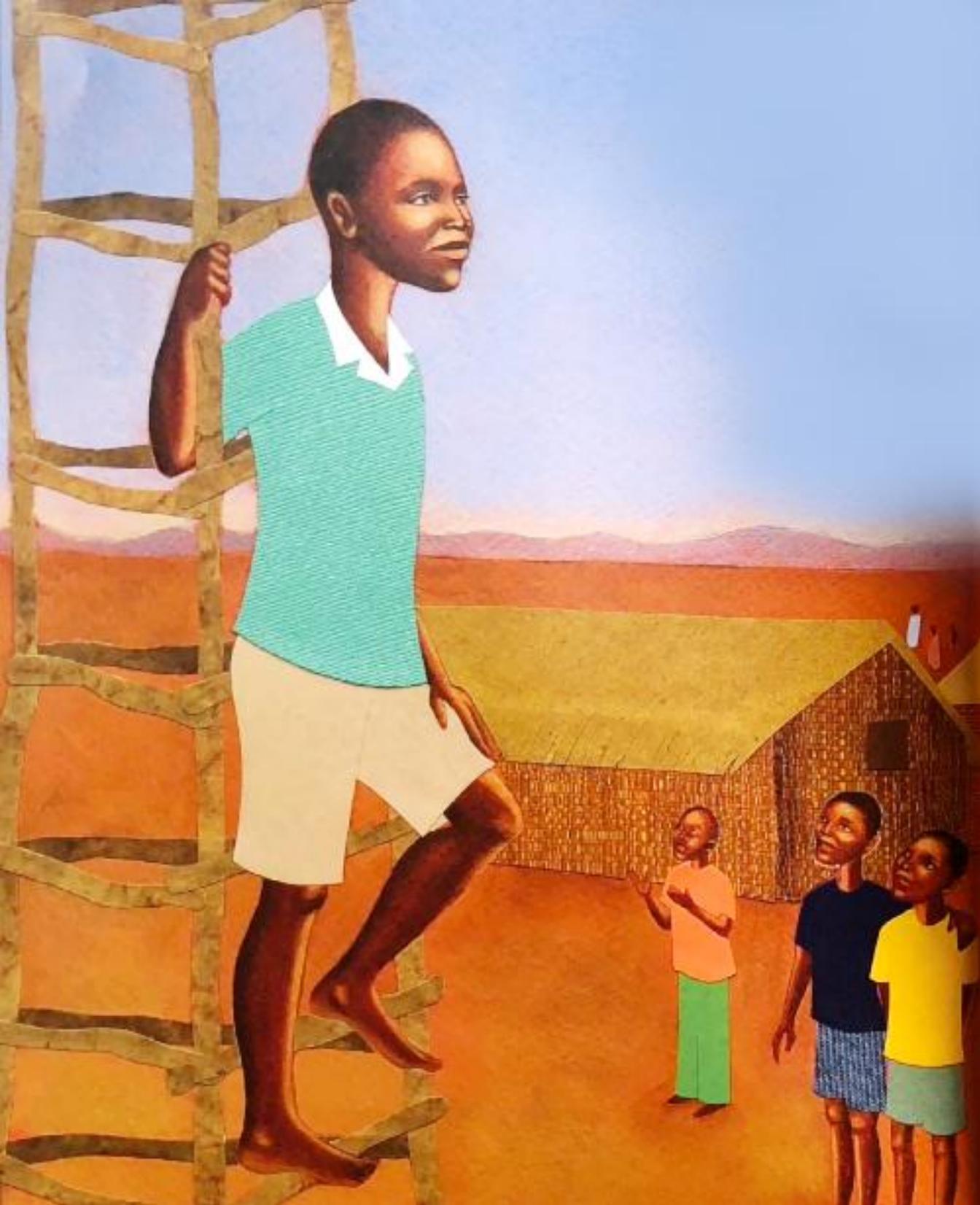
"बहुत बढ़िया!" एक आदमी चिल्लाया

जिन दर्शकों को कुछ शक था अब उन्होंने भी तालियां बजाईं और जय-जयकार की.

विलियम को पता था कि वो सिर्फ शुरुआत थी.

बिजली, भूखे पेट तो नहीं भर सकती थी, लेकिन पवन-चक्की सूखी जमीन को पानी से ज़रूर सींच सकती थी.

उससे वो अनाज पैदा होता जो लोगों का पेट भरता.

“हवा से बनी बिजली - मेरे देश को खिला सकती है,” विलियम ने सोचा.

और वो सबसे शक्तिशाली जादू था!!

विलियम कामकवम्बा का जन्म 1987 में मध्य-मलावी में विम्बे गांव के पास हुआ. मलावी और अफ्रीका के बाकी लोगों की तरह, विलियम के पिता, ट्राईवेल, एक किसान थे. कामकवम्बा परिवार एक प्रकार की सफेद और मीठी मक्का उगाता था जिसे वो दलिए जैसे हर भोजन में खाते थे. उस दलिए को वो "निशिमा“ कहते थे. कपड़े, दवा और अन्य आवश्यक चीजों के लिए अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए, वो राजधानी लिलोंग्वे में बेचने के लिए तंबाकू भी उगाते थे. क्योंकि उनका एकमात्र भोजन जमीन से आता था, इसलिए मौसम में कुछ भी बदलाव या बीज, उर्वरक की कीमत में परिवर्तन, उनके लिए गंभीर समस्याएं पैदा करता था.

2001 और 2002 में ठीक ऐसा ही हुआ. गंभीर सूखे में मलावी के अधिकांश मक्का के खेत झुलस कर मर गए, जिसमें विलियम के पिता का खेत भी शामिल था. कुछ महीनों के भीतर, पूरे देश का भोजन ख़त्म हो गया और लोग भूखे रहने लगे. वो एक भयानक अकाल था. प्रतिदिन केवल एक भोजन खाने से विलियम, उसके माता-पिता और छह बहनों का वजन कम होने लगा. कुछ समय बाद विलियम के पिता भूख से अस्थायी रूप से अंधे हो गए. मलावी में दस हजार से अधिक लोगों की उस अकाल में मृत्यु हुई, जिसमें विंबे के भी कई लोग शामिल थे.

स्कूल फीस (मलावी में हाई स्कूल अमेरिका की तरह मुफ्त नहीं था) के भुगतान के लिए पैसे नहीं होने के कारण, विलियम को स्कूल छोड़ना पड़ा. लेकिन इधर-उधर भटकने के बजाए, वो एक पुस्तकालय में जाने लगा, जिसे अमरीकी सरकार ने शुरू किया था. वहां उसने विज्ञान पर किताबें पढ़ीं, जो उसे बहुत पसंद आईं. विलियम अच्छी अंग्रेजी नहीं जानता था, इसलिए शब्दकोष का इस्तेमाल करके उसने उन शब्दों का अर्थ जाना जिनके चित्रों ने उसे आकर्षित किया. उन चित्रों में एक पवन-चक्की भी थी. पवन-चक्की के बारे के लिखा था कि वो बिजली पैदा कर सकती थी और पानी के पंप चला सकती थी. मलावी के अधिकांश लोगों की तरह, विलियम के माता-पिता के यहाँ बिजली नहीं थी. पानी के पंप से वो पिता के खेतों की फसलों को सींच सकता था. फिर उन्हें बारिश पर कभी निर्भर नहीं रहना पड़ता.

"मैं एक पवन-चक्की ज़रूर बनाऊंगा," विलियम ने सोचा.

विलियम ने अपनी पवन-चक्की को बनाने के लिए जिन पुर्ज़ों का इस्तेमाल किया उनमें थे - एक ट्रेक्टर का पंखा, शॉक एब्जॉर्बर, एक टूटी हुई साइकिल का फ्रेम जिसमें एक पहिया गायब था. ब्लेड (पंखों) के लिए, उसने एक आग पर प्लास्टिक के पाइप पिघलाए और उन्हें चपटा किया, फिर एक आरी की मदद से उन्हें सही आकार (कर्वेचर) दिया. जनरेटर के लिए, उसने एक डायनेमो का उपयोग किया, जो एक छोटी बोतल के आकार का था. उसमें तार की एक कॉइल के अंदर एक चुम्बक तेज़ी से घूमता था और बिजली पैदा करता था. इसे विद्‌युत चुंबकत्व के नाम से जाना जाता है. जब हवा तेज़ी से चलती, तो पंखे, पैडल की तरह काम करके एक टायर को घुमाते, जो डायनमो के अंदर कॉइल को घुमाकर एक करंट पैदा करता.

डायनेमो से एक तार विलियम के कमरे में आया और वहां उसने एक छोटे से बल्ब को जलाया. उस समय विलियम सिर्फ चौदह वर्ष का था.

आखिर में विलियम ने अपनी पवन-चक्की का उपयोग, कार की बैटरी चार्ज करने के लिए किया. उससे वो अपने माता-पिता के घर में चार बल्बों को जला पाया. लेकिन पानी को पंप करने का उसका सपना कई साल बाद ही पूरा हुआ जब उसने अपनी "ग्रीन मशीन" का निर्माण किया. उसकी मदद से वो अपने घर के पास एक छोटे से कुएँ से पानी खींचकर अपनी माँ के बगीचे को सींच सका, जिससे उन्हें पूरे साल भर सब्जियाँ मिलीं. 2007 में विलियम को कुछ पत्रकारों ने खोजा और तंजानिया में टेड (TED) सम्मेलन में बोलने के लिए आमंत्रित किया. विलियम कभी हवाई-जहाज में नहीं बैठा था, और न ही उसने कभी इंटरनेट देखा था. कई लोग विलियम की कहानी सुनकर बेहद प्रभावित हुए और उन्होंने उसे स्कूल वापस भेजने में मदद करने के लिए पैसे दान दिया. आखिर में, एक सौर-संचालित पानी का पंप फिट किया गया जिसने उसके पिता के खेतों को सींचकर उन्हें हमेशा के लिए भूख से मुक्त किया.

विलियम अब न्यू हैम्पशायर के हनोवर में, डार्टमाउथ कॉलेज का छात्र है. वह एक इंजीनियर बनने की पढ़ाई कर रहा है और गांवों में बिजली और पानी पम्प के लिए अक्षय (सौर और पवन) ऊर्जा पर काम करने के लिए मलावी लौटने की योजना बना रहा है.